P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-5* January- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

एब्सट्रेक्ट आर्ट में जेक्सन का एक्शन

Jackson's Action in Abstract Art

Paper Submission: 10/01/2020, Date of Acceptance: 21/01/2020, Date of Publication: 22/01/2020

आई. यू. खान
एसोसिएट प्रोफेसर,
चित्रकला विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर, राजस्थान, भारत

राजकुमार मीणा
शोधार्थी,
चित्रकला विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर, राजस्थान, भारत

सारांश

जेक्सन पोलक जन्म 28 जनवरी 1912 को अमेरिका में हुआ। इन्होंने वस्तुनिरपेक्ष (अमूर्त) अभिव्यंजनवादी कला का सृजन किया। पोलक ने 'ड्रिप अवधि' के दौरान कई प्रभावशाली कलाकृतियों का सृजन किया। पोलक कैनवास धरातल पर रखकर ऊपर से कलर को फेंक कर या टपका कर रंग लगायें। इन चित्रों का कहीं पर भी रेखांकन नहीं किया गया। इन चित्रों में रंग ही मुख्य विषय है जो आकार एवं चित्र धरातल दोनों की भूमिका निभा रहें हैं। पोलक ने इन चित्रों के शीर्षक नम्बर या संख्या देकर प्रस्तुत किया है। कई चित्रों को कम्पोजीशन शीर्षक देकर प्रस्तुत किया। पोलक की कला शैली को वस्तु निरपेक्ष अभिव्यंजनावादी कहा जाता है जो अमूर्त कला के इतिहास में मील पत्थर साबित हुई।

Jackson Pollock was born on 28 January 1912 in America. He created objective (abstract) expressionist art. Pollock produced many impressive works of art during the 'Drip Period'. Put the pollock canvas on the surface and apply color by throwing or dripping the color from above. These pictures were not depicted anywhere. Color is the main subject in these paintings, playing the role of both the shape and the surface of the picture. Pollock has presented the titles of these pictures by giving numbers or numbers. Several paintings were presented with composition titles. Pollock's style of art has been termed as Objective Expressionist, which proved to be a milestone in the history of abstract art.

मुख्य शब्द : वस्तुनिरपेक्ष अभिव्यंजनावाद, एक्सन पेंटिंग, ड्रिप तकनीक, अमूर्त, अभिव्यंजनवादी, अभिसरण, तैल रंग, अभिव्यक्ति, श्रृंखला, कैनवास, घरेलू उपयोग वाले रंग, संयोजन, नम्बर, जैक्सन पोलक।
(Action Painting, Abstract Art, Number 12 A, Numbers, The Deep, Composition, Jackson Pollock, Convergence, Drip Period, Full Fathom Five, Blue Poles, Expressionism, Series.)

प्रस्तावना

जेक्सन पोलक (Jackson Pollock)

जेक्सन पोलक का जन्म 28 जनवरी 1912 को अमेरिका में हुआ। पोलक का पूरा नाम पॉल जेक्सन पोलक है। इन्होंने वस्तु निरपेक्ष (अमूर्त) अभिव्यंजनावाद कला आन्दोलन में कला सृजन किया।

ड्रिप अवधि

1947 और 1950 के बीच "ड्रिप अवधि" के दौरान पोलक की सबसे प्रसिद्ध पेंटिंग बनाई गई थी। अपनी प्रसिद्धि के चरम पर पोलक ने अचानक ड्रिप शैली को छोड़ दिया। 1951 के बाद पोलक का काम गहरे रंग का था, जिसमें अनपेक्षित कैनवास पर काले रंग में चित्रित एक संग्रह भी शामिल था। उन्होंने एक लकड़ी का फ्रेम हाउस और खलिहान खरीदा। पोलक ने खलिहान को एक स्टूडियो में बदल दिया। उस जगह में, उसने पेंट के साथ काम करने की अपनी बड़ी 'ड्रिप' तकनीक को सिद्ध किया, जिसके साथ वह स्थायी रूप से पहचाने जाते हैं।

प्रमुख चित्र

पोलक ने अमूर्त कला में सृजन किया जिनमें से कुछ इस प्रकार है –संख्या 17 (1948), नम्बर 5 (1948), कनवर्जेन्स (अभिसरण), 1952, ब्लू पोल्स, नम्बर 11 (1952), द डीप (1953) आदि प्रमुख है इसके अलावा भी कई प्रमुख कलाकृतियों का उल्लेख किया जा रहा है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-5* January- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

चित्र संख्या 1: नम्बर 1, 1948

जेक्सन पोलक ने "एक्शन पेंटिंग" तकनीक में इस अमूर्त अभिव्यंजनावादी चित्रण का सृजन किया जो उनके 'ड्रिप पीरियड' कालीन कलाकृति है। इसी तकनीक शैली ने पोलक को विश्व कलाजगत में प्रसिद्ध बनाया।

चित्र संख्या 2: जेक्सन पोलक

फूल फेथोम फाइव, 1947 (Full Fathom Five, 1947)

'फूल फेथोम फाइव' चित्र पोलक के सबसे पुराने "ड्रिप" चित्रों में से एक है। पोलक ने ब्रश और पैलेट–चाकू का उपयोग करके निर्माण किया। चित्र का शीर्षक एक पड़ोसी द्वारा सुझाया गया है, जो शेक्सपियर के नाटक 'द टेम्पेस्ट' से आता है।

चित्र संख्या 3: जेक्सन पोलक

कन्वर्जेंस, 1952 (अभिसरण) (CONVERGENCE, 1952)

अभिसरण (कन्वर्जेंस) पोलक द्वारा बनाये गये चित्रों में से एक है, जिसे अमूर्त अभिव्यक्ति के प्रतिनिधि के रूप में जाना जाता है। यह एक ऑयल पेंटिंग है, जो एक कैनवास पर टपकाने और रंग डालने की विधि द्वारा बनाए गए। रंगों, रेखाओं और आकृतियों की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करती है। ये रेखाएं, धब्बे, कलाकार की भावनाओं को व्यक्त करते हैं। पेंटिंग रूस के साथ शीत युद्ध के दौरान बनाई गई थी।

अध्ययन का उद्देश्य

इस रिसर्च पेपर का उद्देश्य अमूर्त कला में जेक्सन पोलक की कला शैली के द्वारा कला के स्वरूप को दर्शाया गया है। पोलक ने अमूर्त (एब्सट्रेक्ट आर्ट) सृजन कैनवास पर रंगों को टपका कर या डालकर अमूर्त सृजन किया। पोलक ने चित्र में आकार एवं चित्रधरातल के महत्व को एक ही कर दिया। पोलक की कला में आकार, धरातल के रूप में दिखायी देते हैं तथा चित्र धरातल ही आकार की भूमिका निभाते दिखायी देते हैं। इनकी कला शैली में आकारवादी कला का कोई स्थान नहीं है। आकृति गौण हो गयी है। अब चित्र धरातल आकारों की भूमिका को प्रस्तुत करने लगा है। इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य अमूर्त कला के विकास, स्वरूप स सृजनात्मक कार्यशैली को दर्शाया गया है। पोलक ने बिना आकारों के, रंगों को मुख्य विषय के रूप में अपनाकर अमूर्त कला सृजन किया। यहां रंग ही सबकुछ है – आकार भी, और चित्र धरातल भी।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. *साखलकर, र.वि., आधुनिक चित्रकला का इतिहास, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 2010, पृष्ठ संख्या 213–215, 250*
2. *Michael Wilson, The Museum of Modern Art, Thames and Hudson, Newyork, 1984, Page No. 102-107*
3. *Jo Marceau, Louise Candlish, Art A World History, 9 Henie Tta Street, London , 1998, Page No. 583, 59*
4. *जोशी, डॉ. शेखर चन्द्र, आधुनिक चित्रकला का इतिहास, प्रकाश बुक डिपो, बड़ा बाजार, बरेली–उत्तरप्रदेश, 2003, पृष्ठ संख्या 94*
5. *Robert Rosenblum , Cubism And Twentieth – Century Art, Thame And Hudson, London, 1960, Page No. 111, 157-158*
6. *George Heard Hamilton, H.W Janson, 19th And 20th Century Art, Abrams, Inc-New York, Page No 246-247*
7. *Alan Bowness, Modern European Art, Thames and Hudson, London, 1972, Page No .121*
8. *Phyllis Freeman, Art in Our Times(1890-1980), Harry N.Abrams, Inc. New York, 1981 Page No. 161*
9. *रवि साखलकर, आधुनिक चित्रकला का इतिहास, राजस्थान हिन्द्री ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 2010, पृष्ठ संख्या 276–299 ।*
10. *डॉ0 शंखर चंद्र जोशी, आधुनिक चित्रकला का इतिहास, बड़ा बाजार, बरेली 2003, पृष्ठ संख्या170–150 ।*
11. *विनोद भारद्वाज, बृहद आधुनिक कला कोश, दरयागंज, नई दिल्ली, 2006, पृष्ठ संख्या 20–130 ।*
12. *Camlla Gray, The Russian Experiment and the 1863-1922,Thames and Hudson, London, 1962, pageNo. 104-209*
13. *David piper, The All Lustrated Liberary of Art, Random Houseanc -America , 1981, pageno.99-500.*